भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : **576**
गुरुवार, 28 नवंबर, 2024/7 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

**विमानन क्षेत्र पर फर्जी कॉल का प्रभाव**

**576. श्री पर्वतगौड़ा चंदनगौड़ा गद्दीगौदरः**
**श्री मनीश तिवारीः**
**श्री हैबी ईडनः**
**श्रीमती साजदा अहमदः**
**श्री टी. एम. सेल्वागणपतिः**
**श्री कुलदीप इंदौराः**
**डॉ. नामदेव किरसानः**
**एडवोकेट चन्द्र शेखरः**
**प्रो. सौगत रायः**
**श्री तेजस्वी सूर्याः**

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि विगत कुछ महीनों के दौरान अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू हवाई यात्रा के प्रचालनों को खतरे में डालने वाली सैकड़ों बम संबंधी अफवाहें प्राप्त हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान ऐसी कॉलों के कारण प्राप्त धमकियों और विलंब तथा मार्ग में परिवर्तन किए जाने/रद्द किए जाने की सूचना का विमानपत्तन/वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) फर्जी कॉलों को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं और इस संबंध में क्या सफलता मिली है तथा इस संबंध में क्या जवाबदेही निर्धारित की गई है;

(घ) इन मामलों में की गई जांचों और दोषसिद्धियों/जुर्माने की वर्ष-वार संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार का विमानन सुरक्षा अधिनियम में संशोधन करने और फर्जी फोन करने वालों को नो-फ्लाई सूची में शामिल करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) ऐसी धमकी देने वाले व्यक्तियों की पहचान करने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए अन्य किन कानूनी उपायों पर विचार किया जा रहा है;

(छ) विमान प्रचालनों पर संभावित प्रभाव को प्रभावी ढंग से कम करने के लिए विमान कंपनियों, विमानपत्तन प्राधिकारियों और विधि प्रवर्तन एजेंसियों के बीच किए जा रहे समन्वय प्रयासों का ब्यौरा क्या है;

(ज) हवाई यात्रा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फर्जी कॉलों और बम की धमकियों से निपटने के लिए तंत्र में प्रस्तावित वर्तमान तंत्र और प्रस्तावित परिवर्तनों का ब्यौरा क्या है और इसके लिए त्वरित प्रतिक्रिया क्या है; और

(झ) ऐसी फर्जी कॉलों के कारण एयरलाइनों/विमानपत्तनों को हुई अनुमानित हानि का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)**

(क) और (ख): जी हां। अगस्त 2022 से 14 नवंबर 2024 तक अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू हवाई यात्रा के प्रचालन के लिए खतरे वाले कुल 1148 फर्जी बम धमकी संदेश/कॉल प्राप्त हुए हैं। विवरण निम्नानुसार है:

| **वर्ष** | **प्राप्त हुई बम धमकियों की संख्या** |
|---|---|
| अगस्त 2022 – दिसंबर 2022 | 27 |
| जनवरी 2023 - दिसंबर 2023 | 122 |
| जनवरी 2024 - 14 नवंबर 2024 | 999; |

(ग): देश में विमानन सुरक्षा विनियामक, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने खतरे के वस्तुनिष्ठ आकलन के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बीटीएसी द्वारा निर्णय लेने में लगने वाले समय को कम करने में सांकेतिक कारक उपयोगी रहा है। इसके अलावा, बीटीएसी के आयोजन में लगने वाले कुल समय को 5 मिनट से भी कम करने के लिए, पूर्व-निर्मित वीडियो लिंक के माध्यम से बीटीएसी की वर्चुअल सभा की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, सभी उड़ानों के लिए अनिवार्य रूप से 10% सेकेंडरी लैडर प्वाइंट चेक-इन, गैर-अनुसूचित उड़ान प्रचालनों की कड़ी मॉनीटरिंग, सुरक्षा उपायों में वृद्धि और कार्गो टर्मिनलों पर निगरानी के लिए प्रमार्शिका (एड्वाइसरी) जारी किए गए।

(घ) जनवरी 2024 से 14 नवंबर 2024 तक 256 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें से 163 एफआईआर 14 अक्टूबर से 14 नवंबर 2024 के दौरान दर्ज की गई हैं। जनवरी 2024 से 14 नवंबर 2024 तक फर्जी बम धमकी के मद्देनजर 12 गिरफ्तारियां की गई हैं।

(ङ) और (च): विमान (सुरक्षा) नियम, 2023 में संशोधन करने पर विचार किया जा रहा है ताकि फर्जी धमकी देने वालों को नो फ्लाई लिस्ट में डाला जा सके। नागर विमानन की सुरक्षा से संबंधित गैरकानूनी कृत्यों के दमन के नियम में संशोधन करने पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि उड़ानरत विमान के साथ-साथ ग्राउन्ड, हवाई अड्डे आदि पर भी विमान को शामिल किया जा सके।

(छ) से (झ) देश में विमानन सुरक्षा विनियामक, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने ऐसे खतरों से निपटने के लिए मजबूत प्रोटोकॉल अनिवार्य कर दिया है। देश में विमानन सुरक्षा विनियामक, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो ने ऐसे धमकियों से निपटने के लिए सुदृढ़ प्रोटोकॉल अधिदेशित कर दिए हैं। ऐसे धमकियों से निपटने के लिए बम थ्रेट असेसमेंट प्लान (बीटीसीपी) एक विस्तृत आकस्मिक योजना विद्यमान है। बीटीसीपी के एक भाग के रूप में, प्रत्येक हवाईअड्डे पर एक निर्दिष्ट बम थ्रेट असेसमेंट कमेटी (बीटीएसी) होती है, जो खतरे का विश्लेषण करती है और उसके अनुसार कार्य करती है। बीटीएसी के आकलन के अनुसार, बम की झूठी कॉल के परिणामस्वरूप कुछ उड़ानों के प्रचालन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसके परिणामस्वरूप एयरलाइंस, हवाईअड्डों और अन्य हितधारकों पर भी इसका प्रभाव पड़ता है।

*****